अमर उजाला

31 JAN 2020

छात्रों की मांग पर मेस में अब फास्ट फूड भी मिलेगा

लविवि में मेस मैनेजमेंट कमेटी की कवायद, छात्रों के सुझाव से तैयार किया जा रहा मेन्यू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की मेस में छात्रों को जल्द ही फास्ट फूड भी खाने को मिलेंगे। छात्रों के सुझाव पर इस बदलाव की कवायद सेंट्रल मेस कमेटी की ओर से की जा रही है। इस क्रम में जल्द ही विद्यार्थियों के खाने के मेन्यू में बदलाव होगा। मेन्यू को हर महीने-दो महीने में संशोधित किया जाएगा। जल्द ही मेन्यू को अंतिम रूप देकर छात्रों को उसके अनुसार खाना दिया जाएगा।

सेंट्रल मेस के खाने में गड़बड़ी व गुणवत्ता का मुद्दा समय-समय पर उठता रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मेस का निरीक्षण किया और छात्रों ने भी खाने की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए आवेदन दिया था। इसके बाद उन्होंने प्रो. एनके पांडेय के नेतृत्व में एक सेंट्रल मेस कमेटी का गठन किया है, जो लगातार विद्यार्थियों व सेंट्रल मेस संचालक के संपर्क में है। वो नियमित खाने की गुणवत्ता भी चेक कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से खाने के मेन्यू में बदलाव के लिए भी सुझाव मांगे थे। छात्र अधिष्ठाता कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि छात्रों ने फास्ट फूड व सीजन के अनुसार खाने में बदलाव की मांग की है। छात्रों के सुझाव को चीफ प्रोवोस्ट प्रो. मनुका खन्ना के पास भेजा गया है। ताकि वे इसे देखकर इसके अनुसार मेन्यू को अंतिम रूप दें। नए मेन्यू को विद्यार्थियों से चर्चा के बाद लागू किया जाएगा। विवि प्रशासन की कवायद है कि छात्रों को बेहतर खान-पान की सुविधा दी जा सके। उन्होंने बताया कि इसमें काफी बदलाव भी आया है। साफ-सफाई आदि व्यवस्था भी बेहतर हुई है।

सेंट्रल मेस परिसर में छात्र गतिविधियां भी होंगी

मेस संचालन से जुड़े अधिकारियों के अनुसार सेंट्रल मेस परिसर का प्रयोग आने वाले दिनों में छात्र गतिविधियों के संचालन के लिए भी किया जाएगा। कभी पोस्टर प्रतियोगिता, कभी निबंध प्रतियोगिता, कभी सांस्कृतिक तो कभी धार्मिक गतिविधियों का भी आयोजन यहां किया जाएगा। इस तरह सेंट्रल मेस को खाने के साथ नाश्ते आदि की एक कैंटीन के रूप में भी विकसित किया जाएगा, जिसका लाभ कैंटीन वाले के साथ छात्रों को भी मिलेगा।

बंद कैंटीनें चलेंगी, मिल्क बूथ भी खुलेंगे

विवि प्रशासन यह भी कवायद कर रहा है कि परिसर में छात्रसंघ भवन के पास व ओएनजीसी बिल्डिंग के सामने बंद पड़ी पुरानी कैंटीनों को दोबारा संचालित किया जाए। साथ ही पराग व अमूल के बूथ भी खोलने की कवायद चल रही है। इसके लिए अधिकारियों से चर्चा चल रही है। विवि प्रशासन के अनुसार अभी जो कैंटीन उपलब्ध हैं वह छात्रों के लिए अपर्याप्त हैं, जिसकी वजह से इनकी संख्या बढ़ाना जरूरी है।

एलयू कार्य परिषद की बैठक के मिनट्स में छेड़छाड़ का आरोप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 28 नवंबर को कार्यवाहक कुलपति एसके शुक्ला की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में हुई चर्चा के बाद मिनट्स में छेड़छाड़ का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता प्रशांत पांडेय ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह को दिए ज्ञापन में आरोप लगाया है कि उक्त बैठक में शिक्षिका कविता चतुर्वेदी की नियुक्ति से संबंधित प्रकरण पर चर्चा हुई और निर्णय भी लिया गया। किंतु जब कार्य परिषद के मिनट्स जारी किए गए तो उसमें छेड़छाड़ कर मामले को गोलमोल कर दिया गया। उन्होंने ईसी की बैठक की रिकॉर्डिंग जांचकर इस पर ठोस कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि रजिस्ट्रार ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है। इस प्रकरण की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रवेगा-2020 में दिखी छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा

लखनऊ। इरम कैंपस में बृहस्पतिवार को धूमधाम से सांस्कृतिक व खेलकूद फेस्ट प्रवेगा-2020 की शुरुआत हुई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय, एपी सेन, नारी निकेतन, नवयुग, गुरुनानक, करामत, इंटीग्रल आदि विश्वविद्यालय व कॉलेजों की टीमें शिरकत कर रही हैं। पहले दिन उद्घाटन सत्र में लविवि की डीन सीडीसी प्रो. मधुरिमा लाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा का विकास होता है। इस क्रम में छात्राओं ने सोलो क्लासिकल डांस, माइम, मुशायरा, फैशन शो व हिंदी-अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखाया। वहीं खेलकूद में शॉट-पुट, वालीबॉल, टग ऑफ वार, खो-खो, लॉन टेनिस, कैरम, चेस आदि प्रतियोगिताओं में बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष बज्मी यूनुस, निदेशक फैजी यूनुस, सचिव सैफी यूनुस, एचएम यासीन, प्रधानाचार्या सहर सुल्तान आदि उपस्थित थे।

Page no — 5